आतंकवाद: परिभाषा

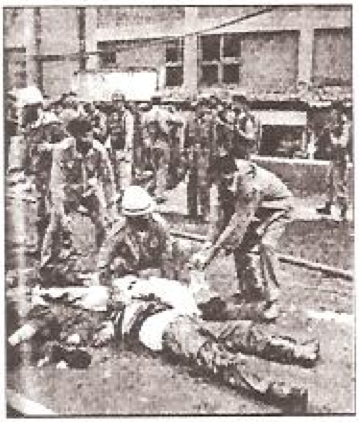

आतंकवाद का उद्गम राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं के कारण होता है। राजसत्ताएँ राजनीतिक संगठनों के द्वारा की गई हिंसा को आतंकवाद कहती हैं। लिट्टे, उल्फा, अलकायदा, खालिस्तानी जैसे संगठनों को आतंकवादी कहा जाता है। इन्हीं संगठनों और इस प्रकार के व्यक्तियों को कुछ लोग क्रांतिकारी भी कहते हैं। सरदार भगत सिंह को अंग्रेज सरकार आतंकवादी कहती थी जबकि देश के ज्यादातर लोग आदर से उन्हें एक महान स्वतंत्रता सेनानी कहते हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि आतंकवाद एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें राजनीतिक बदले या मांग के लिये निर्दोष निहत्थे नागरिकों को निशाना बनाया जाता है। राज सत्ता या राजनीतिक संगठन, दोनों इस प्रकार के कार्य करते हैं।

पिछले कुछ दशकों में केवल इस्लाम और मुसलमानों को ही आतंकवादी बताया गया है। 9/11 की घटना के बाद अमेरिकन मीडिया ने 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द को उछाला और विश्व के मीडिया ने इसे स्वीकार किया। पहली बार आतंकवाद और धर्म को जोड़ दिया गया। राज्य सत्ता और मीडिया के बड़े हिस्से ने जानबूझकर ऐसा प्रचार किया है कि वैसे केवल खालिस्तानी और अलकायदा जैसे संगठनों ने ही धर्म के नाम पर हिंसा की है।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से दो विमान टकराये, इसमें 3000 के करीब लोग मारे गये। ये निर्दोष लोग सभी धर्मों और सभी देशों के नागरिक थे।

चार विमान अगुवा कर लिये गये थे और इन्होंने अमेरिका की प्रभुसत्ता के प्रतीकों पर हमला किया। अमेरिकी धरती पर, किसी राज्य ने नहीं बल्कि, एक आतंकवादी संगठन ने हमला किया था। इस अपराध के पीछे ओसामा बिन लादेन का हाथ बताया गया। ओसामा ने इस हमले के बाद खुशी ज़ाहिर की और अल्लाह को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे और हमले होने चाहियें। पर उसने कहा कि ये उसने नहीं किया है।